

Dear Teacher

DAV Centre for Academic Excellence(DAVCAE), a wing of the DAV College Managing Committee, has designed the course material for Classes-LKG to VIII.

This book, titled *My English Reader* (Class-IV), has been designed keeping in view the ability of the child at this age. The intent is to develop communicative skills of the child by enhancing the four basic skills—listening, speaking, reading and writing. For developing the listening comprehension, we have developed an audio CD, titled *Listen & Comprehend* (Class-IV). The said CD is to be used along with this book.

It is the child's nature to love activity. We have designed the format of the book keeping this characteristic in mind. In each lesson, we have included some activities, both individual and group ones, which should help the child in sharpening the language skills. It has also been our endeavour to select subjects that should interest a child of this class. The contents include topics, such as Sports, Travel, Wit and Humour and Fantasy. Each unit has 'Value Based Questions' and questions based on 'Life Skills'. The objective is to develop in the child, desirable life skills and human values, such as empathy, compassion, justice, love for nature, etc. We have paid particular attention to frame questions that would help develop higher order thinking skills and literary appreciation.

The book has been profusely illustrated so as to engage the child's attention and enhance interest in reading. A work book, titled *English Practice Book* (Class-IV), has also been developed to be used along with this book to further help the child in learning the language.

I am grateful to all my seniors, colleagues and practising teachers from different DAV Schools who have made a valuable contribution in developing this book. I record appreciation for Mrs Suman Mittal for her contribution at the initial stage of the project.

I invite feedback and suggestions from students, teachers and parents to further improve the contents and design of this book.

Dr (Mrs) Nisha Peshin
Director
(Academics)

Contents

Unit No.	Topic	Page No.
1.	Sports	1-21
2.	Travel	22-40
3.	Wit and Humour	41-65
4.	Fantasy	66-89



DEAR TEACHER

DAV Centre for Academic Excellence (DAVCAE), a wing of the DAV College Managing Committee has designed the course material for Classes-LKG to VIII.

This book, titled *English Practice Book* (Class-IV), has been designed keeping in view, the ability level of the child at this age. Proper linkages have been developed with the Main Course Book, titled *My English Reader* (Class-IV), and as such it has to be used along with the same. It will help in giving more practice in learning the language. The teacher is expected to explain the worksheets based on different grammar areas and see whether it is followed correctly by the children. Once it is confirmed, the children should be left to carry on by themselves.

The book has been profusely illustrated so as to engage the child's attention and create interest in it. The picture clues should help the child in comprehension and also in developing the skills of reading.

I am grateful to all my seniors, colleagues and practising teachers from different DAV schools who contributed in developing this book. I acknowledge appreciation for Mrs Mamta Rao who extended necessary help for the project. I invite feedback and suggestions from students, teachers and parents for improving the contents and design of this book.

Dr (Mrs) Nisha Peshin
Director
(Academics)

Contents

S.No	Topic	Page No.
1.	Naming Words	1-10
2.	Genders	11-17
3.	Pronouns	18-24
4.	Prepositions	25-35
5.	Describing Words	36-46
6.	Determiners	47-52
7.	Verbs	53-60
8.	Adverbs	61-68
9.	Tenses	69-81
10.	Sentences: Subject and Predicate	82-89
11.	Interrogatives	90-100
12.	Conditionals	101-110
●	Reading for Understanding	111-124

प्रिय शिक्षक

डी.ए.वी. शैक्षिक उत्कृष्टता केन्द्र की हमेशा यह कोशिश रही है कि ऐसी पाठ्यचर्या का विकास किया जाए जो बच्चों को बेहतर जीवन जीने में मदद कर सके। भाषा का प्रभावी प्रयोग बच्चों के व्यक्तित्व को भी प्रभावित करता है। इस रूप में भाषा की पाठ्य-पुस्तक एक महत्वपूर्ण साधन है, साध्य नहीं। इसका मतलब है कि भाषा की पाठ्य-पुस्तक को पढ़ा भर देना उद्देश्य नहीं है। हमें यह समझना होगा कि पाठ्य-पुस्तक बच्चों में भाषा-प्रयोग की कुशलता का विकास करने में मदद करती है। भाषा माधुरी पुस्तकमाला बच्चों में इन्हीं भाषायी कुशलताओं का बेहतर विकास करने में मदद करेगी। इस पाठ्य-पुस्तक में बच्चों के परिवेश, उनकी रुचि और स्तर के अनुरूप सामग्री को स्थान दिया गया है। पाठ्य-पुस्तक में गतिविधियाँ और अभ्यास इस प्रकार हैं-

- **पाठ में से** के अंतर्गत ऐसे सवाल दिए गए हैं जो सीधे तौर पर पाठ से जुड़े हैं। उनके माध्यम से आपको बच्चों की पाठ संबंधी समझ को जानने में मदद मिलेगी।
- **बातचीत के लिए** के सवाल बच्चों के साथ पाठ के बारे में अपनी भाषा में विस्तृत चर्चा करने के अवसर देते हैं। इससे भाषा की कक्षा में बहुभाषिकता को पोषित किया जा सकेगा। याद रखें कि ये सवाल केवल बातचीत के लिए हैं, इन्हें लिखवाएँ नहीं।
- **कल्पना/अनुमान के लिए** के अंतर्गत ऐसे सवालों को रखा गया है जिनसे बच्चों की तार्किक कुशलताओं, उनकी कल्पना, सृजनात्मकता को विकसित होने का अवसर मिल सकेगा।
- **भाषा की बात** के अंतर्गत पाठ की भाषागत बारीकियों को स्थान दिया गया है। कहानी या कविता जिस भाषा के सहारे अपनी अभिव्यक्ति पाती है उस भाषा को समझने और उसका आनंद लेने के लिए भाषा की बात की गई है। भाषा प्रयोगों के व्यावहारिक पक्ष पर बल देने की कोशिश की गई है।
- **जीवन मूल्य में** दिए गए सवाल केवल बातचीत के लिए हैं। बातचीत के जरिए बच्चों में मानवीय संबंधात्मक मूल्यों को और अधिक विकसित होने में मदद मिल सकेगी।
- **कुछ करने के लिए** में पाठ से जुड़ी कुछ रोचक और उपयोगी गतिविधियाँ दी गई हैं जिनसे बच्चे कुछ और सोच-विचार कर सकेंगे, अपनी सृजनात्मकता, कलात्मक रुचि का विकास कर सकेंगे।

भाषा माधुरी पुस्तकमाला बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और अभिव्यक्ति के आत्मविश्वास का विकास करने में भी सहायक है। पाठ्य-पुस्तक के अतिरिक्त बच्चों को रोचक और स्तरानुसार बाल साहित्य भी उपलब्ध कराएँ, उन्हें भी अपनी भाषा-कक्षा का हिस्सा बनाएँ।

मुझे पूरा विश्वास है कि भाषा सीखने-सिखाने की सही और स्पष्ट समझ के आधार पर विकसित भाषा माधुरी पुस्तकमाला की यह कड़ी उपयोगी सिद्ध होगी। साथ ही बच्चों की भाषायी क्षमताओं का विकास करने में सहायक होगी। बच्चे इस पाठ्य-पुस्तक से जुड़ पाएँ-यही इस पाठ्य-पुस्तक की सफलता है।

पुस्तकमाला को अधिक सुसंगत, उपयोगी और रुचिकर बनाने के लिए आपके सुझावों का स्वागत है।

डॉ. निशा पेशिन
निदेशक (शैक्षिक)

विषय-सूची

क्रम संख्या	पाठ	पृष्ठ संख्या
June 1.	फैलती चप्पलें (फिर लखन)	1
2.	उलटा-पुलटा (कविता)	6
July 3.	अनोखा ढंग (लखन)	10
4.	मित्रता (कहानी)	16
5.	*सेर को सवा सेर	23
6.	पहली बारिश (कविता)	25
7.	दादी का रेडियो	31
8.	किस्से-कहावतों की दुनिया	36
9.	*नानी की नाव चली	43
10.	एक बौना और लकड़हारा	46
11.	मौसम	52
12.	*आँख-मिचौनी	57
13.	चतुर चित्रकार	59
14.	एक थी स्वाति	63
15.	होली के रंग हज़ार	68
16.	ऐसे भी बच्चे	75
17.	कोयल	81
18.	*खत पहुँचे सक्को को	86

* केवल पढ़ने के लिए हैं। परीक्षा में इनमें से सवाल नहीं पूछे जाएँगे।

प्रिय शिक्षक

हम सभी जानते हैं कि बच्चे विद्यालय में आने से पहले ही अपनी भाषा का प्रयोग करते हैं। वे अपनी भाषा में कहना-सुनना जानते हैं और अपनी बात को दूसरों तक प्रेषित करने की क्षमता भी रखते हैं। हालाँकि विद्यालय में आने से पहले उनमें व्याकरणिक तत्वों यानी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि की सचेत समझ नहीं होती लेकिन वे विभिन्न संदर्भों में अपनी भाषा का प्रयोग करते समय भाषायी संरचनाओं का बखूबी प्रयोग करते हैं। भाषा अभ्यास पुस्तकमाला में भाषा संबंधी इसी समझ को विस्तार देने की कोशिश की गई है। भाषा अभ्यास पुस्तकमाला में यह प्रयास भी किया गया है कि भाषा-प्रयोग के माध्यम से हिंदी भाषा की संरचना और उस संरचना के सृजनात्मक प्रयोग को बल मिले।

भाषा अभ्यास का उद्देश्य बच्चों में विभिन्न भाषायी क्षमताओं का विकास करना है। विभिन्न सवालों अथवा अभ्यासों के माध्यम से इन क्षमताओं का विकास करने और भाषा-प्रयोग के अवसर जुटाने का प्रयास किया गया है। पाठों से जुड़े विभिन्न व्याकरणिक बिंदुओं को अधिक-से-अधिक अभ्यासों द्वारा प्रस्तुत किया गया है। साथ ही रचनात्मक गतिविधियों व उदाहरणों के माध्यम से बच्चों की भाषायी सक्रियता को बढ़ावा दिया गया है।

भाषा अभ्यास को उपयोगी और सार्थक बनाने के लिए किसी भी प्रकार के लिखित अभ्यास से पहले बच्चों के साथ मौखिक चर्चा जरूर करें। भाषा अभ्यास के द्वारा बच्चों की अवलोकन-क्षमता और विश्लेषण-क्षमता का विकास करने में आपको मदद मिल सकेगी।

पुस्तक को अधिक सुसंगत, उपयोगी और रुचिकर बनाने के लिए आपके सुझावों का स्वागत है।

डॉ. निशा पेशिन
निदेशक (शैक्षिक)

विषय-सूची

क्र. सं. पाठ	पृष्ठ संख्या
1. फैलती चप्पलें	1
2. उलटा-पुलटा	6
3. अनोखा ढंग	10
4. मित्रता	14
5. सेर को सवा सेर	17
6. पहली बारिश	18
7. दादी का रेडियो	21
8. किस्से-कहावतों की दुनिया	25
9. नानी की नाव चली	29
10. एक बौना और लकड़हारा	30
11. मौसम	34
12. आँख मिचौनी	37
13. चतुर चित्रकार	38
14. एक थी स्वाति	42
15. होली के रंग हज़ार	45
16. ऐसे भी बच्चे	49
17. कोयल	53
18. खत पहुँचे सक्को को	56

प्रिय शिक्षक,

यह पुस्तक डी.ए.वी. शैक्षिक उत्कृष्टता केन्द्र द्वारा निर्मित कथा प्रथम के लिए पाठ्यक्रम निर्देश के अनुसार बनाई गयी है। वास्तव में यह पुस्तक एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा हमने विद्यार्थियों को स्वाध्ययन हेतु प्रेरित करने की भरपूर कोशिश की है। साथ ही यह पुस्तक उनके मानसिक विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

इस पुस्तक में निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा गया है—

1. वही अध्याय लिए गए हैं जिन्हें बच्चे अपने दैनिक जीवन में प्रायः देखते हैं। इस प्रकार बच्चे सरलता के साथ हर बात को समझ सकते हैं।
2. सभी प्रकार की मात्राओं का ज्ञान कराया गया है। चित्रों का चयन इस तरह किया गया है कि बच्चे आसानी से समझ सकें और मात्राओं का ज्ञान कराने में सहायक सिद्ध हों।
3. सारी पाठ्य-सामग्री क्रमानुसार रखी गई है ताकि बच्चे क्रम-वार अपने ज्ञान में वृद्धि कर सकें अर्थात् बच्चे जितना सीखते जाएँ उसके आगे सीखने की उनमें स्वयं लालसा जागृत हो।

हमें पूरा विश्वास है कि यह पुस्तक बच्चों की हिन्दी भाषा के ज्ञान में पूरी तरह से वृद्धि करेगी और ऊपर लिखित उद्देश्यों को प्राप्त कराने में सहायक सिद्ध होगी।

हम आशा करते हैं कि अध्यापक वर्ग तथा अभिभावक अपने सुझाव हम तक पहुँचाएँगे ताकि इस पुस्तक को ज़्यादा आकर्षक व शिक्षाप्रद बनाया जा सकें।

डॉ. निशा पेशिन
निदेशक (शैक्षिक)

अनुक्रम

पाठ-क्रम	विषय	पृष्ठ
1.	राजा बेटा	1
2.	अमन	2
3.	समझदार अजय	4
4.	रविवार का दिन	7
5.	दीपावली आई	10
6.	गुड़िया की शादी	13
7.	शाम हुई	15
8.	जादूगर का जादू	17
9.	मेला	20
10.	शैला की मैना	23
11.	होली का दिन	27
12.	कौशल की सालगिरह	30
13.	संजय की पतंग	33
14.	ताँगे वाले की मूँछें	36
15.	परियों की रानी	39
16.	मस्त कलंदर	40
17.	नन्हीं चिड़िया	44
18.	अच्छी परी	45
19.	गुब्बारे वाला	49
20.	योगशाला	50

प्रिय शिक्षक,

यह पुस्तक डी.ए.वी. शैक्षिक उत्कृष्टता केन्द्र द्वारा निर्मित कक्षा-प्रथम के लिए पाठ्यक्रम निर्देश के अनुसार बनाई गई है। वास्तव में यह पुस्तक एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा हमने विद्यार्थियों को स्वाध्ययन हेतु प्रेरित करने की भरपूर कोशिश की है। साथ ही यह पुस्तक उनके मानसिक विकास में सहायक सिद्ध होगी।

इस पुस्तक में निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा गया है -

1. वही अध्याय लिए गए हैं जिन्हें बच्चे अपने दैनिक जीवन में प्रायः देखते हैं। इस प्रकार बच्चे सरलता के साथ हर बात को समझ सकते हैं।
2. सभी प्रकार की मात्राओं का ज्ञान कराया गया है। चित्रों का चयन इस तरह किया गया है कि बच्चे आसानी से समझ सकें और मात्राओं का ज्ञान कराने में सहायक सिद्ध हों।
3. सारी पाठ्य-सामग्री क्रमानुसार रखी गई है ताकि बच्चे क्रम-वार अपने ज्ञान में वृद्धि कर सकें अर्थात् बच्चे जितना सीखते जाएँ उसके आगे सीखने की उनमें स्वयं लालसा जागृत हो।

हमें पूरा विश्वास है कि यह पुस्तक बच्चों की हिन्दी भाषा के ज्ञान में पूरी तरह से वृद्धि करेगी और ऊपर लिखित उद्देश्यों को प्राप्त कराने में सहायक सिद्ध होगी।

हम आशा करते हैं कि अध्यापक वर्ग तथा अभिभावक अपने सुझाव हम तक पहुँचाएंगे ताकि इस पुस्तक को ज़्यादा आकर्षक व शिक्षाप्रद बनाया जा सके।

डॉ. निशा पेशिन
निदेशक (शैक्षिक)

विषय-सूची

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ संख्या
●	स्वर	1
●	व्यंजन	2
1.	अमन	3
2.	समझदार अजय	6
3.	रविवार का दिन	11
4.	दीपावली आई	16
5.	गुड़िया की शादी व शाम हुई	20
6.	जादूगर का जादू	25
7.	मेला	32
8.	शैला की मैना	37
9.	होली का दिन	41
10.	कौशल की सालगिरह	45
11.	संजय की पतंग	49
12.	ताँगे वाले की मूँछें व परियों की रानी	53
13.	मस्त कलंदर व नन्हीं चिड़िया	55
14.	अच्छी परी	58
15.	गुब्बारे वाला	61
16.	योगशाला	63

4వ తరగతి - విషయసూచిక

పాఠ్యాంశాలు

క్ర.సం.	పాఠం పేరు	ఇతివృత్తం	ప్రక్రియ	మాసం	పుట
	సంసిద్ధత పాఠాలు	చదువడం-రాయడం	అభ్యాసాలు	జూన్-జూలై	2
1.	తెలంగాణ వైభవం	తెలంగాణ గొప్పదనం	గేయం	ఆగస్టు	23
★	పిల్లలారా రారంది...	పిల్లల ఆసక్తులు	గేయం		30
2.	పరమానందయ్య శిష్యులు	హాస్యం	కథ	ఆగస్టు	31
★	చిన్ని కృష్ణుడు	ఇతిహాసం	కథ		38
3.	వినాయక చవితి	సంస్కృతి, సంప్రదాయం	వ్యాసం	సెప్టెంబరు	39
★	రంజాన్	సంస్కృతి	వ్యాసం		46
4.	దేశమును ప్రేమించుమన్నా	దేశభక్తి	గేయం	అక్టోబరు	47
★	కళారత్నాలు	కళలు, కళాకారులు	గేయం		54
5.	చిన్నారి కల	పర్యావరణ పరిరక్షణ	కథనం	నవంబరు	55
6.	సుమతీ శతకం	నైతిక విలువలు	పద్యాలు	నవంబరు	65
7.	నేను గోదావరిని	దర్శనీయ స్థలాలు	ఆత్మకథ	డిసెంబరు	72
8.	ఎలుక విందు	భాషాభిరుచి	గేయకథ	జనవరి	81
★	పంటసిరి	శ్రమపట్ల గౌరవం	గేయం		88
9.	బొమ్మ గుర్రం	పిల్లల స్వభావం	కథ	ఫిబ్రవరి	89
★	ఎవరు నేను?	ప్రకృతి, పర్యావరణం	గేయం		97
10.	మాటల ప్రయాణం	సామాజిక స్పృహ	కథనం	ఫిబ్రవరి	98
	పదాలు - అర్థాలు				108

ఈ పాఠ్యపుస్తకం ద్వారా విద్యార్థులు సాధించాల్సిన సామర్థ్యాలు

I. విని, అర్థంచేసుకొని, అలోచించి మాట్లాడడం

- ఉపన్యాసాలు, సందేశాలు, వర్ణనలు, వార్తలు విని, అర్థంచేసుకోవడం, ప్రతిస్పందించగలగాలి.
- చర్చల్లో పాల్గొనడం, అభిప్రాయాలను స్పష్టంగా సొంత మాటలలో వ్యక్తీకరించగలగాలి.
- కణాదూపాలను చూసి, విని అర్థం చేసుకోవడం, ఆసక్తిని, అభిరుచిని పెంచుకోగలగాలి.
- పాత్రల స్వభావాలను వాటి తేదాలను విచక్షణతో గ్రహించి అలోచించగలగాలి.
- సాహిత్య ప్రక్రియలలోని భేదాలను గుర్తించి, అవగాహనతో అభిప్రాయాలు వ్యక్తీకరించగలగాలి.
- చిన్నచిన్న సంఘటనలను పరిశీలించి వర్ణించగలగాలి.

II. ధారాళంగా చదువడం - అర్థంచేసుకొని ప్రతిస్పందించడం

- పద్యం, వచనం, గేయం, వచన కవిత, గేయకథ, ముద్రకథ కవితర అంశాలను శ్రేణివేడంతో అవగాహనతో చదువగలగాలి.
- అపరిచిత పద్య, గద్య అంశాలు చదివి అర్థంచేసుకొని, ప్రతిస్పందించగలగాలి.
- చదువుతున్న అంశాల్లోని కీలకాంశాలు గుర్తించడం, రాయడం, శీర్షికలు గుర్తించగలగాలి. అభ్యాసాల ద్వారా స్వీయ నిర్వారణ (Rating scale) చేసుకోగలగాలి.
- ప్రాసపదాలు, వాక్యాల ఆధారంగా పద్యపాదాలు, పోల్చిన అంశాలను గుర్తించగలగాలి.
- చదివిన అంశాలను విశ్లేషించడం, పోలికలను గుర్తించి, పట్టికలో సమోదయించగలగాలి.

III. స్వీయరచన

- పాఠాల నుండి సూచిత అంశాలకు సారాంశాలు, భావాలు సొంతమాటల్లో రాయగలగాలి.
- తాము అర్థం చేసుకొన్న విషయాలను, తెలిసిన విషయాలను స్పష్టంగా రాయగలగాలి.
- తెలుసుకొన్న అంశాన్ని సమర్థిస్తూ/విమర్శిస్తూ, కారణాలు వివరిస్తూ సొంత మాటల్లో రాయగలగాలి.
- విరామచిహ్నాలను పాటిస్తూ, వాక్యభేదాలను సందర్భానుసారంగా ఉపయోగించి, విశ్లేషిస్తూ రాయగలగాలి.
- భావాలను క్రమపద్ధతిలో, సరైన పదజాతాన్ని ఉపయోగించి, దోషరహితంగా రాయగలగాలి.

IV. సృజనాత్మకత/ప్రశంస

- తాను చదివిన, అనుభవంలో ఉన్న, విన్న, చూసిన అంశాలను వర్ణించి చెప్పగలగాలి.
- కథలు, కవితలు అల్లడం, సంభాషణలు రాయడం, నాటకంలో పాత్రలు పోషించడం, పాటలను, గేయాలను పాడడం, కథలు, గేయాలు పాడిగించడం, వివరించడం చేయగలగాలి.
- చంటరూపు ప్రశ్నాపత్ర, పోస్టల్ తయారీ, శుభాకాంక్షలు తెలిపే కార్డులు తయారుచేయగలగాలి.
- అభినందన, కృతజ్ఞత లేఖలను రాయగలగాలి.
- ఏకపాత్రాధీనయం, ఆత్మకథ, స్వీయ అనుభవాలు, స్పష్టంగా, వర్ణనాత్మకంగా రాయగలగాలి.
- నినాదాలు, నూత్నాలు రాయడం, చొప్పులు గీయడం, చొప్పులకు రంగులువేయడం, నాటకీకరణ చేయగలగాలి.
- ఇతర భాషలు, మతాలు, సంస్కృతులను అర్థంచేసుకోవడం, మంచిని గ్రహించడం, గౌరవించడం చేయగలగాలి.
- బాలికలు, ప్రత్యేకవసరాల పిల్లలు అందరితో సమానమని గుర్తించి వాళ్ళలోని గొప్పతనాన్ని ప్రశంసించగలగాలి.

V. పదజాల వినియోగం

- ప్రశ్న, విశ్లేషణ, జాతీయాలు, సామెతలు గుర్తించడం, అవగాహన చేసుకొని, కొత్తపదాలతోపాటు సొంత వాక్యాలలో ఉపయోగించగలగాలి.
- భావనాచిత్రం, కారణాల పట్టిక, సూచికట్టు, పదవివరణ, ఖాళీలు పూరించగలగాలి.
- నిఘంటువును ఉపయోగిస్తూ, సూతన పదాలకు అర్థాలు తెలుసుకొని సొంతవాక్య ప్రయోగాల ద్వారా స్వీయ అధ్యయనం చేయగలగాలి.
- మాందరిక భాషాదూపాలను గుర్తించడం, వినియోగించగలగాలి.

VI. భాషను గూర్చి తెలుసుకుందాం

- వ్యాకరణాంశాలపట్ల అవగాహన పెంచుకోవడం. భాషాభాగాలు, విభక్తులు, సంధులు, సమాసాలు, క్రియాభేదాలు, వాక్యభేదాలు స్పష్టంగా గుర్తించడం, దైనిందిన జీవితంలో ప్రయోగించగలగాలి.

ఈ పాఠ్యపుస్తకం ద్వారా పిల్లలు సాధించాల్సిన సామర్థ్యాలు

I. విని అర్థం చేసుకోవడం, స్వేచ్ఛగా మాట్లాడడం

- ♦ తరగతి గది, నిత్య వ్యవహారాలకు సంబంధించిన సూచనలు, ప్రశ్నలు విని అర్థం చేసుకోవాలి.
- ♦ పరిచిత అంశాలకు చెందిన అభినయ గేయాలు విని అర్థం చేసుకోవాలి.
- ♦ ఇంట్లోని, బడిలోని వస్తువుల పేర్లను చెప్పగలగాలి. వాటి గురించి మాట్లాడాలి.
- ♦ తమ గురించి, తమ కుటుంబ సభ్యుల గురించి, వారు చేసే పనుల గురించి, ఇంట్లోని వస్తువుల గురించి చెప్పగలగాలి.
- ♦ రోజూ చూసే పండ్లు, పూలు, కూరగాయలు మొదలగువాటి పేర్లు, వాటి గురించి చెప్పగలగాలి.
- ♦ పక్షులు, జంతువుల పేర్లను చెప్పగలగాలి. వాటి గురించి మాట్లాడగలగాలి.
- ♦ తినుబండారాలు / ఆహార పదార్థాల పేర్లను చెప్పగలగాలి. వాటి గురించి మాట్లాడగలగాలి.
- ♦ వ్రాసావులు-దీర్ఘాలు; అల్ప మహాప్రాణాల మధ్య భేదాన్ని గుర్తించాలి.
- ♦ వర్ణమాలలోని అక్షరాలను, వీటితో ఏర్పడే సరళ పదాలను, నేర్చుకున్న పదాలు / మాటలు, వాక్యాలను స్పష్టంగా ఉచ్చరించాలి.

II. ధారాళంగా చదువడం, అర్థం చేసుకొని చెప్పడం

- ♦ వర్ణమాలలోని అక్షరాలను విడిగాను, పదాలలోను గుర్తించాలి. స్పష్టోచ్చారణతో చదువాలి.
- ♦ సరళ పదాలు ధారాళంగా చదువగలగాలి.
- ♦ స్పష్టోచ్చారణతో సరళపదాలు దోషరహితంగా చదువగలగాలి.

III. రాయడం.

- ♦ వర్ణమాలలోని అక్షరాలను అందంగా / సౌష్ఠవంగా రాయాలి.
- ♦ పదాలను, వాక్యాలను చూసి అందంగా రాయగలగాలి.
- ♦ సరళ పదాలు తప్పులు లేకుండా అందంగా రాయాలి.

IV. సృజనాత్మకత.

- ♦ పరిచిత బొమ్మలను గీసి, వాటికి రంగులు వేయాలి.
- ♦ పరిచిత అభినయ గేయాలకు అభినయం చేయాలి.
- ♦ బొమ్మల ఆధారంగా సంభాషణలు చేయగలగాలి.
- ♦ ఇచ్చిన అంశం ఆధారంగా అనగా పరిచితమైన సన్నివేశానికి అభినయం చేయగలగాలి.

(viii)

Sale 2020-21





విషయ సూచిక

క్ర. సం.	పాఠం పేరు	నేర్చుకోవాల్సినవి	పేరి యక్కు	మానం	పుట
I.	పాడుదాం	అభినయంతో పాడడం	10	జూన్	2 3 4 5
II.	మాట్లాడుదాం	వినడం, అర్థం చేసుకోవడం, మాట్లాడడం	15	జూన్, జూలై	6 8 10 12 14 16
III.	చదువుదాం	వర్ణమాల, పదాలు చదువడం, అక్షరాలు గుర్తించడం	15	జూలై	18 20 21
IV.	చదువడం - రాయడం	పాఠంలోని కీలక పదంలోని అక్షరాలు, పదాలు చదువడం, రాయడం	5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5	ఆగష్టు ఆగష్టు ఆగష్టు నెప్టెంబర్ నెప్టెంబర్ అక్టోబర్ అక్టోబర్ నవంబర్ నవంబర్ నవంబర్ డిసెంబర్ డిసెంబర్ జనవరి జనవరి ఫిబ్రవరి ఫిబ్రవరి	23 26 29 32 35 38 41 44 47 50 53 56 59 62 65 68



DEAR TEACHER

Primary Mathematics (Class-IV) is designed for the young mathematicians of today's fast changing world. It carries concepts dealt in earlier books and also introduces some new concepts.

The main feature of this book is that the contents are organised in a sequential manner going from simple to complex. Efforts have been made to introduce one concept at a time. The basic objective at this stage is to sharpen skills related to different mathematical areas which can form a base for understanding the mathematics at secondary and higher secondary stage. The book is very much in line with the modern approaches of mathematics teaching, which lays lot of emphasis on experimentation and application. It also combines the functions of a work book along with the text book.

In this book, most of the units start with an introduction, which is meant to help the child to recapitulate the concepts studied in the earlier class. Since value education is an important component of the curriculum, the book caters to the teaching of values through a section titled 'Value Based Question'. This section challenges the child with a real-life situation which enables him to think, to reflect, critically evaluate, appreciate one's own values and those of others so that the concepts ultimately find their ways into behaviours and actions. The situation is followed by the knowledge based and open-ended or hypothetical questions. The teacher is expected to elicit the answers to such questions through discussions and open talks only. At the end of each unit, you will find exercise named 'Brain Teasers', which comprise multiple choice and brain boggling questions. All these exercises will evaluate the understanding and application level of each child. You can guide the children to find answers to these queries through discussions and interactions. The presentation of book is done in such a manner that it helps the child in self-learning, and at the same time, making it interesting.

I am thankful to all people who, in the course of designing this book, made a significant contribution. I acknowledge appreciation for Mr Bimlesh Jha for his valuable feedback on the contents of the book.

I invite feedback and suggestions from teachers, students and parents for the improvement of the book.

Dr (Mrs) Nisha Peshin

Director

(Academics)

CONTENTS

S.No.	Topic	Page No.
1.	Numbers Up to 999999	1
2.	Addition and Subtraction	18
3.	Multiplication	33
4.	Division	40
5.	Length	50
6.	Weight	57
7.	Capacity	63
8.	Time and Calendar	70
9.	Fractions	80
10.	Angles	93
11.	Perimeter	103
12.	Area	111
13.	Volume	119
14.	Fun with Patterns	126
	<i>Answers</i>	131

DEAR TEACHER

In Classes-I and II, Environmental Studies has been introduced as an integrated subject and the focus at that stage was on the immediate environment of the child. From Class-III onwards, the subject has been bifurcated in two broad areas, namely (i) General Sciences and (ii) Social Sciences.

This book, dealing with the General Sciences has been titled *My Living World* (Class-IV), introduces the child to the study of physical environment on a broader perspective. The flow is similar to that in earlier classes, i.e. going from immediate environment to the distant, and from known to the unknown.

It is the nature of the child to love activity. The format of the book has been designed keeping this characteristic of the child in mind. In each lesson, we have included certain activities which would help the child in self-learning and understanding different concepts.

Each lesson starts with some recapitulative or introductory activity and ends with 'Keywords' along with their meaning or definition. The exercises are prepared in two parts. One is 'Something to Know' comprising some objective type questions, and others where the child is expected to write an answer in his own words. All these exercises will enable you to evaluate the understanding and application level of each child. The other part is 'Something to Do' comprising questions which are an extension to the concept taught. You can guide the child to find answers to these queries through discussions, consulting books in the library and by interacting with the members of the community. You must give credence to the creativity and originality in the child's approach to such questions.

An added feature, of the present series, is the addition of one 'Value Based Question' in each lesson. This is not a 'question' in the usual sense of the term. Here a situation/ set up is presented that aims to make students appreciate the role of values in our life and to stimulate discussion on them.

Some interesting yet non-evaluative information has been included under the head 'Do You Know'. Also, a number of illustrations, photographs and pictures have been included in the text book. These would help in providing information and developing concepts in a more lucid manner.

I trust that the children will find the book interesting to read. I am thankful to all who, in the course of designing this book, made a significant contribution.

I would welcome feedback and suggestions from teachers, students and parents for the improvement of the book.

Dr (Mrs) Nisha Peshin
Director
(Academics)

CONTENTS

S.No.	Topic	Page No.
1.	My Body	1-9
2.	Plants	10-15
3.	Flowers and Fruits	16-23
4.	Plants Around Us	24-31
5.	Birds—Beaks and Claws	32-42
6.	Insects	43-50
7.	Food	51-60
8.	Water Scarcity and Conservation of Water	61-68
9.	Safe Handling and Storage of Water	69-75
10.	Water Pollution	76-82

DEAR TEACHER

In Classes-I and II, Environmental Studies has been introduced as an integrated subject and the focus at that stage was on the immediate environment of the child. From Class-III onwards, the subject has been bifurcated into two broad areas, namely (i) General Sciences and (ii) Social Sciences.

This book, dealing with Social Sciences has been titled *We And Our World* (Class-IV), introduces the child to the study of social environment on a broader basis. The flow is similar to that in earlier classes, i.e. going from immediate environment to the distant and from known to the unknown.

It is the nature of the child to love activity. The format of the book has been designed keeping this characteristic of the child in mind. In each lesson, we have included certain activities which should help the child in self-learning and understanding different concepts. In addition, there is some interesting yet non-evaluative information that has been included under the head 'Do You Know?'.

At the end of each lesson, you will find exercises titled 'Something to Know' and 'Something to Do'. All these exercises will enable you to evaluate the understanding and application level of each child. You can guide the children to find answers to various queries through discussions, consulting books in the library and by interacting with the members of the community associated with different aspects of life. You must give credence to the creativity and originality in the children's answers to such questions.

The inclusion of value-based questions aims to encourage out of box thinking to inculcate values like confidence, cooperation, harmony, respect for self and others, duties, team spirit, problem solving and decision-making. The teachers can bring up similar questions and encourage children to express their thoughts.

A number of illustrations and pictures have been included in the text book. These should help in providing information and developing concepts in a more lucid manner. Map reading skill is a part of visual literacy. It helps the child in decoding, comprehending, evaluating and incorporating knowledge. Hence, map skill has been introduced at this stage in very simple form. I trust that the children will find the book interesting to read.

I am thankful to all those people who, in the course of designing this book, made a significant contribution. I would welcome feedback and suggestions from teachers, children and parents for the improvement of the book.

Dr (Mrs) Nisha Peshin
Director
(Academics)

CONTENTS

S.No.	Topic	Page No.
1.	Family Relationships	1
2.	Sensitivity Towards Others	11
3.	Celebrating Our Diversity	18
4.	An Ideal Home	27
5.	Bricks and Bridges	34
6.	Waste Management	44
7.	The Works We Do	53
8.	Leisure Time	62
9.	Directions	69
10.	Travel and Tours	79
11.	Let Us Travel	88
12.	Let Us Communicate	97
13.	India—Our Motherland	108

CONTENT

S.NO.	CHAPTER NAME	PAGE NO.
1.	FILES AND FOLDERS	1-24
2.	EDITING TEXT IN MS-WORD	25-38
3.	MS WORD - MORE FEATURES	39-49
4.	TEXT FORMATTING IN MS WORD	50-64
5.	MS-POWER POINT - INTRODUCTION	65-76
6.	PAINT.NET	77-102
7.	PROJECT-1	103-106
8.	PROJECT-2	107-108
9.	ACADEMIC PROJECT	109-115